

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उत्खलन
विकास
संघर्ष विद्रोह विद्रोह

संपादकीय

ममता बनर्जी की सुरक्षा में सेंध की कोशिश

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में उनके आवास के पास एक महिला द्वारा हमले की कोशिश करने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर किसी राजनीतिक दल के प्रमुख नेता पर ही सुरआम हमले का प्रयास किया जाता है, तो आम आदमी खुद को सुरक्षित कैसे महसूस कर पाएगा! पार्टी के ममता समर्थक धड़े का आरोप है कि संबंधित महिला के हाथ में चाकू था।

हालांकि इसकी सच्चाई गहन जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन सवाल है कि आरोपी महिला ममता के सुरक्षा घेरे के इतने करीब कैसे पहुंच गई? इस बात की जांच-पड़ताल भी जरूरी है कि सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भविष्य में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। राज्य में पिछले लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की खबरें भी आती रही हैं, लिहाजा पुलिस को हर पहलू से इस घटना की छानबीन करनी चाहिए, ताकि सच सबके सामने आ सके।

खबरों के मुताबिक, ममता बनर्जी पर बीते मंगलवार को उस वक़्त हमले की कोशिश की गई, जब वह दुर्गा पूजा का उद्घाटन करने जा रही थीं। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों और वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोपी महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी।

मगर यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रमुख नेता की सुरक्षा से जुड़े मामले को महज राजनीतिक आरोप मानकर उसकी गंभीरता को नज़रअंदाज किया जा सकता है? कायदे से इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अगर सुरक्षा में चूक का कोई मामला बनता है, तो उसमें भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस घटना की संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब असहमति किसी की दहलीज़ तक पहुंच जाए, तो खतरा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता।

हीरे जैसा कीमती दुर्लभ पौधा, कहलाता है संजीवनी

छा भारत में कई पेड़-पौधे अब विलुप्त होने की कगार हैं. ऐसा ही एक दुर्लभ पौधा है जो दस बीमारियों को

जरा हट के

कंट्रोल करने में सहायक है. इसे कलयुग की संजीवनी कहा जाता है. अंग्रेजी में इसे मेजिक स्लेट ट्री है. माना जाता है कि इस पेड़ की छाल से घाव बहुत तेजी से भरता है. आयुर्वेद-लोक चिकित्सा में लंबे समय से इसका उपयोग किया जाता रहा

है. पुराने जमाने में इसकी लकड़ी से कटोरे बनाए जाते हैं. दूध प्राकृतिक तरीके से दही बन जाता है. इसके पत्ते का अर्क बहुत उपयोगी माना जाता है. इसका नाम दहिहमन है.

सबसे दिलचस्प बात यह है कि दहिमन पेड़ की पत्तियां पलाश से मिलती-जुलती होती हैं. तना मजबूत होता है. इसकी छाल बहुत ही औषधीय होती है. छाल के काढ़े का इस्तेमाल नशा उतारने में होता है. छत्तीसगढ़ के जंगलों में यह पौधा बहुत पाया जाता था लेकिन अब इनकी



संख्या सिर्फ 10 ही बताई जाती है. इस पेड़ को लेकर कई नए शोध हो रहे हैं. बताया जाता है कि इसमें एंटी केसर, एंटी बीपी जैसे कई विशेष गुण हैं. दिल्ली-हिमाचल में भी यह पौधा पाया जाता है. अब इस पौधे के संरक्षण के लिए कई लोग

पर्यावरणविद प्रयास कर रहे हैं. इस दुर्लभ प्लांट के बारे में कहा जाता है कि यह गंभीर बीमारियों को ठीक करने में मदद करता है. विदेश में भी इसकी मांग बढ़ी है. खाटू श्याम मंदिर दिल्ली में भी यह प्लांट लगा हुआ है. इस प्लांट को प्रेसीडेंट हाउस में भी लगवाया गया है. ब्लड प्रेशर, किडनी में सूजन, पीलिया रोग और शराब छुड़वाने के लिए भी इस प्लांट के अर्क का इस्तेमाल

होता है. यह प्लां खांसी, कफ, दमा में सहायक माना जाता है. हालांकि इन दावों पर आधुनिक वैज्ञानिक शोध अभी होना बाकी है. इस पेड़ के पत्ते की एक और खासियत है. इसके पत्तों पर कोई भी संदेश लिखा जा सकता है. यानी लकड़ी की छोटी सी रिक्ट से अगर इसमें कुछ लिखा जाता है तो वो वह संदेश के रूप में दिखाई देने लगता है. कहा जाता है कि क्रांतिकारी अपना संदेश इन पत्तों के जरिये दिया करते थे.

क्रंची फलाहारी मिक्चर

सामग्री :

- 1 कप नायलॉन साबुदाना
- 2-3 बड़े कच्चे आलू
- आधा कप मूंगफली के दाने
- 10-12 कटौी पता
- 1 चम्मच काली मिर्च पाउडर
- सेंधा नमक - स्वादानुसार
- 1 चम्मच पिसी हुई चीनी
- तलने के लिए मूंगफली का तेल या घी

बनाने का तरीका :

सबसे पहले कच्चे आलू को छीलकर कद्दूस कर लें। इन लच्छों को 3-4 बार साफ पानी से अच्छी तरह धोएं ताकि आलू का सारा स्टार्च निकल जाए। इसके बाद छलनी में रखकर पानी निकाल दें और एक सूती कपड़े पर 15-20 मिनट के लिए फैला दें ताकि ये सूख जाएं। इसी ट्रिंक से आपके आलू के लच्छे एकदम क्रिस्पी

बनेंगे।

एक कड़ाही में तेल या घी को अच्छी तरह तेज गर्म करें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा करके नायलॉन साबुदाना डालें। साबुदाना तुरंत फूलकर दौलूना हो जाएगा। तेज आंच पर तलने से यह अंदर तक पक जाता है और खाते समय मुंह



में बिल्कुल नहीं चिपकता। तले हुए साबुदाने को टिश्यू पेपर पर निकाल लें।

अब उसी गर्म तेल में आलू के सुखाए हुए लच्छे डालें और उन्हें सुनहरा और कुरकुरा होने तक फ्राई



कर लें। इसके बाद मूंगफली के दानों और कटौी पत्ता को भी क्रंची होने तक तलकर निकाल लें।

एक बड़े बर्तन में तला हुआ साबुदाना, आलू के लच्छे, मूंगफली और कटौी पत्ता एक साथ डालें। अब ऊपर से सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर और पिसी हुई चीनी डालकर हल्के हाथों से मिला लें।

लौंगिए, आपका क्रंची और चटपटा फलाहारी मिक्चर एकदम तैयार है। इसे पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर किसी एयरटाइट डिब्बे में भरकर रख लें। पूरे 9 दिन तक चाय के साथ इस कुरकुरे मिक्चर का मजा लें।

कन्या पूजन के दौरान 4 चीजें देना होता है शुभ

पूरे देश में शारदीय नवरात्रि की धूम मची हुई है। ये पर्व पूरे नौ दिनों तक चलता है जिसमें देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। कई भक्त इन नौ दिनों तक उपवास भी करते हैं। भले ही सभी की पूजा का तरीका थोड़ा अलग-अलग होता है लेकिन नवरात्रि की महापूजा और महाजनवमी के दिन लगभग हर कोई अपने घर कन्या भोजन का आयोजन करता है। इस दिन छोटी-छोटी बच्चियों को घर बुलाकर उनके लिए स्पेशल भोजन जैसी कि पूड़ी, हलवा, खीर, काले चने, छोले आदि तैयार किए जाते हैं। कहा जाता है कि इन छोटी कन्याओं में माता रानी का वास होता है, ऐसे में अगर आप इन्हें खुश करते हैं तो मां स्वयं प्रसन्न होती हैं। इसलिए भरपेट भोजन के बाद कन्याओं को खुश करने के लिए भेंट भी दी जाती है। तो चलिए आज जानते हैं कि कन्याओं को क्या भेंट देना शुभ माना जाता है।

■ शुभ होता है भेंट में लाल रंग देना

लाल रंग माता रानी का पसंदीदा रंग है और समृद्धि का प्रतीक भी। धार्मिक रूप से भी लाल रंग को बहुत शुभ माना गया है।

कहते हैं कि लाल रंग दान करने से मंगल मजबूत होता है और घर में सुख समृद्धि आती है। ऐसे में कन्या भोजन के बाद आप बच्चियों को लाल रंग भेंट कर सकते हैं। अपने सामर्थ्य के अनुसार बच्चियों को लाल रंग के कपड़े या फिर चुनरी



भेंट स्वरूप दे सकते हैं।

■ शृंगार का सामान

कन्याओं को भेंट में शृंगार का सामान देना भी बहुत शुभ माना जाता है। नवरात्रि में जैसे आप मां दुर्गा को शृंगार का सामान अर्पित करते हैं ठीक वैसे ही कन्याओं को भी कर सकते हैं। आप उनके लिए एक किट तैयार कर सकते हैं जिसमें छोटी सी बिंदी, नेल

पॉलिश, रुमाल, रबर बैंड और लाल चूड़ियां डालकर से सकते हैं। हालांकि इन्में से कोई एक चीज भी भेंट में दी जा सकती है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार भेंट तैयार कर सकते हैं।

■ पैसों की भेंट से प्रसन्न होती हैं मां लक्ष्मी

अगर आप कोई गिफ्ट आइटम नहीं खरीद पाएं तो पैसों की भेंट भी दे सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कन्याओं को पैसे की भेंट देने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है और घर में कभी भी धन की कमी नहीं होती। ऐसे में आप अपनी सामर्थ्य के अनुसार एक लिफाफे में

कुछ पैसे डालकर कन्याओं को भेंट स्वरूप दे सकते हैं। आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इसे काफी शुभ माना जाता है।

■ फलों और मिठाइयों को करें शामिल

कन्या पूजन के दौरान आप कन्याओं को फल और मिठाइयां भी भेंट स्वरूप दे सकते हैं। खासतौर से फलों में नारियल और केला देना बहुत ही शुभ माना जाता हैं। कहते हैं ऐसा करने से आपके अच्छे कर्मों का फल कई गुना हो कर वापस मिलता है। इसके साथ ही माता रानी का मनपसंद हलवा भी कन्याओं को जरूर दें। ये भी काफी ज्यादा शुभ माना जाता है। आप बाजार से लड्डू या बर्फी मंगवाकर भी कन्याओं को दे सकते हैं। इससे कन्याएं बहुत खुश होंगी।



मेघ : आज पिता के स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचे। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेगा। निराशा हावी रहेगी। लाभ होगा।

वृषभ : आज कार्य की गति धीमी रह सकती है। आशका-कुशका के चले मन अशांत रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग है। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सीदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में देखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु परत होंगे। विवाद न करें। बेवसी रहेगी।

सिंह : आज कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक विताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। माहौल को सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पारक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मार्गालिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। वस्तु गुप्त हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पर्या कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम के कार्य टालें।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यवसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी याधिया से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें।

मीन : आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। राजकीय अवरोध दूर होंगे। नौकरी में सहकर्मों साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विचार : कानूनों के दुरुपयोग से उपजा संकट

पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी कानून के दुरुपयोग एवं उनकी जटिलताओं से परेशान कारोबारियों को बड़ी राहत दी। नई व्यवस्था के अनुसार अब जीएसटी अधिकारी कारोबारियों को जीएसटी कानूनों का हवाला देकर गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे और इसके लिए उन्हें कोर्ट से आदेश लेना होगा।

इसमें संदेह नहीं कि देश में जीएसटी कानूनों का दुरुपयोग हुआ है, लेकिन यह दुरुपयोग केवल जीएसटी कानून या किसी एक कानून तक सीमित नहीं रहा है और यह भी आवश्यक नहीं है कि दुरुपयोग अधिकारियों द्वारा ही किया गया हो, जनता द्वारा कानूनों के दुरुपयोग के मामले भी प्रायः सामने आते रहते हैं।

कानून देश की नींव होते हैं और

पूरे देश की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और विधिक संरचना कानूनों पर ही आधारित होती है। कानूनों का निर्माण एक ओर नागरिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की प्राप्ति सुनिश्चित करने और दूसरी तरफ समाज और देश में शांति, सुरक्षा, अनुशासन, व्यवस्था, विकास और प्रगतिशीलता बनाए रखने के लिए किया जाता है।

कानूनों का निर्माण उनके ईमानदार एवं सच्चाई से उपयोग तथा अनुपालन के उद्देश्य से होता है, परंतु स्थिति तब विकट हो जाती है जब नेक नीयत से बनाए गए कानूनों का दुरुपयोग होने लगता है। यह स्थिति देश में विधि के शासन पर गंभीरतम व्यवस्था के लिए न केवल रणधीन चुनौती पेश करती है, बल्कि उस अवधारणा को कमजोर



कर उसके समक्ष विश्वास का संकट खड़ा कर देती है। भारत में व्यक्तिगत विवादों में कानूनों का दुरुपयोग एक पुरानी समस्या है, लेकिन आज यह केवल कुछ व्यक्तिगत विवादों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह न्याय-प्रणाली, पुलिस-तंत्र और मुकदमेबाजी की संस्कृति से जुड़ा एक गंभीर संरचनात्मक संकट बन चुका है।

कानून का उपयोग अधिकारों और दायित्वों के ईमानदारी से क्रियान्वयन के लिए किया जाना

चाहिए, लेकिन जब किसी कानून का प्रयोग दबाव डालने, प्रतिशोध लेने, लाभ-प्राप्ति के लिए या विलंब के एक औजार के रूप में होने लगे, तब उसका नैतिक और संवैधानिक संतुलन बिगड़ जाता है।

देश में लंबित मामलों, विचाराधीन कैदियों और अत्यधिक बोझिल अपराधिक न्याय-व्यवस्था ने कानूनों के दुरुपयोग के लिए अनुकूल स्थिति बनाई है। राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड के अनुसार, 30 जुलाई, 2026 तक कुल 4,99,11,920 मामले लंबित थे, जिनमें लाखों अपराधिक और सिविल विवाद थे। 31 दिसंबर, 2024 तक भारत की जेलों की क्षमता 4,53,769 थी, लेकिन वहां 5,11,542 कैदी बंद थे, यानी जेलें

112.7 प्रतिशत क्षमता पर चल रही थीं। इसी तारीख पर 3,71,440 कैदी विचाराधीन कैदी थे, जो कुल जेल-जनसंख्या का लगभग 72.6 प्रतिशत था। भारत में सामान्यतः लगभग हरेक कानून का दुरुपयोग होता है, मगर सर्वाधिक दुरुपयोग वैवाहिक, पारिवारिक, संपत्ति-विवादों और जाति-भेदभाव संबंधी विवादों में दिखता है। कई मामलों में गंभीर शिकायतें वास्तविक होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में शिकायतों का इस्तेमाल बदला, दबाव या समझौते के साधन के रूप में किया जाता है।

घरेलू विवाद, दहेज-संबंधी आरोप, संपत्ति पर कब्जे और पड़ोसियों के झगड़ों में झूठी प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी कराने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे में मुकदमे का परिणाम चाहे जो हो,

लेकिन प्रक्रिया-भर में प्रतिवादी को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक क्षति झेलनी पड़ती है।

यही कारण है कि दुरुपयोग की समस्या को केवल 'बूटे केस' कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह एक प्रकार से 'प्रक्रियात्मक दंड' की समस्या भी है। समस्या का एक मूल कारण गिरफ्तारी की अत्यधिक उपयोग-प्रवृत्ति भी है।

कई मामलों में पुलिस पहले हिरासत, फिर जांच के सिद्धांत पर काम करती है। इससे कानून के दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है, क्योंकि गिरफ्तारी स्वयं एक दंड बन जाती है। नौकरी, प्रतिष्ठा, परिवार, कारोबार और मानसिक स्वास्थ्य-इन सब पर गिरफ्तारी का प्रभाव पड़ता है, भले ही इस में व्यक्ति बरी हो जाए।

महंगाई की मार : आम आदमी पर बढ़ा बोझ

पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महंगाई एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में थोक महंगाई बढ़कर 11.39 फीसद हो गई, जो अगस्त में 9.92 फीसद थी। इसका प्रमुख कारण खाद्य पदार्थों, विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन एवं बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी है। इसी माह के आंकड़ों में खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर तेईस माह के उच्च स्तर 5.54 फीसद पर पहुंच गई, जो अगस्त में 4.83 फीसद थी।

इसमें दोराय नहीं कि महंगाई का प्रभाव केवल बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह लोगों की वचत, जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सवाल है कि जरूरी वस्तुओं के दामों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार की ओर से तात्कालिक एवं प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं! क्या सरकार को इस बात का भान नहीं है कि इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ सकता है?

गौरतलब है कि चालू वित्त वर्ष की



शुरुआत से ही थोक महंगाई में बढ़ोतरी हो रही है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और हॉर्मुज जलमार्ग में अवरोध से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत बढ़ गई है। भारत अपने कच्चे तेल का अधिकतर हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। इन बढ़ी हुई लागतों का असर खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ू है। मगर अहम सवाल यह है कि तात्कालिक और भावी परिस्थितियों का आकलन कर सरकार की ओर से इस संकट से निपटने के लिए समय पर कोई प्रभावी उपाय क्यों नहीं किए गए?

हालांकि बढ़ती महंगाई के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर यानी रेपो दर में 0.25 फीसद की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसद कर दिया था। मगर, महंगाई हमेशा मांग के कारण ही नहीं बढ़ती। खराब मानसून, आपूर्ति बाधाएं, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसी परिस्थितियां भी महंगाई का कारण बनती

गमले में ऐसे उगाएं आर्गेनिक तेजपत्ता

गार्डनिंग का शौक रखने वाले लोगों के लिए घर की छत या बालकनी पर हरी-भरी सब्जियां और मसाले उगाना एक बहुत ही बेहतरीन और सुकून भरा काम है. अगर आपको भी गार्डनिंग का शौक है या आप रोज सुबह कड़क चाय पीने के शौकीन हैं, तो अपने घर पर आर्गेनिक तेजपत्ता जरूर उगाना चाहिए, खाने का स्वाद बढ़ाना हो या चाय की चुस्की लेनी हो, तेजपत्ता हर घर में इस्तेमाल किया जाता है. आइए जानते हैं इसे उगाने का पूरा और आसान तरीका.

बाजार से तेजपत्ता खरीदने की जरूरत हमेशा के लिए खत्म हो सकती है, यदि आप घर पर ही इसका पौधा लगा लें. इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत नहीं पड़ती है. कई सालों से घर पर गार्डनिंग कर रही और अपने बगीचे में सैकड़ों तरह के पौधे लगा चुकीं आराधना देवी बताती हैं कि एक बार थोड़ी सी लागत में आप जीवनभर के लिए ताजा और शुद्ध तेजपत्ता पा सकते हैं. इसे उगाने के लिए बहुत बड़ी जमीन की भी जरूरत नहीं होती है, बल्कि इसे बड़े गमले में भी आसानी से उगाया जा सकता है.

तेजपत्ता का पौधा लगाने के लिए बाजार की नर्सरी से एक स्वस्थ पौधा लाना होगा. शुरुआत में पौधे को खरीदने के लिए आपको करीब 200 रुपये खर्च करने पड़ेंगे. एक बार यह पौधा लग जाए, तो सालों-साल आपको बाजार से पैसे खर्च करके तेजपत्ता खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी. आप इसे बड़े साइज के गमले में लगा सकते हैं। यह पौधा बड़ा होकर 10 से 15 फीट तक का हो जाता है. अगर आपके पास घर में खाली जमीन है, तो आप इसे जमीन पर भी लगा सकते हैं, जहां यह करीब 20 फीट तक बढ़ सकता है. मात्र 200 रुपये खर्च करके लाया गया यह पौधा से से तीन साल में काफी बड़ा पेड़ बन जाता है, जिससे कई शाखाएं भी निकलने लगती हैं.

नर्सरी से लगाएं एक स्वस्थ पौधा

तेजपत्ता का पौधा लगाने के लिए बाजार की नर्सरी से एक स्वस्थ पौधा लाना होगा. शुरुआत में पौधे को खरीदने के लिए आपको करीब 200 रुपये खर्च करने पड़ेंगे. एक बार यह पौधा लग जाए, तो सालों-साल आपको बाजार से पैसे खर्च करके तेजपत्ता खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी. आप इसे बड़े साइज के गमले में लगा सकते हैं। यह पौधा बड़ा होकर 10 से 15 फीट तक का हो जाता है. अगर आपके पास घर में खाली जमीन है, तो आप इसे जमीन पर भी लगा सकते हैं, जहां यह करीब 20 फीट तक बढ़ सकता है. मात्र 200 रुपये खर्च करके लाया गया यह पौधा से से तीन साल में काफी बड़ा पेड़ बन जाता है, जिससे कई शाखाएं भी निकलने लगती हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारीयों और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उत्खलन विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गंगा स्नान कर रहे युवक की मगरमच्छ के हमले में मौत

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में अहार क्षेत्र स्थित अवंतिका देवी गंगा घाट पर बुधवार को गंगा स्नान करने आए युवक की मगरमच्छ के हमले में मौत हो गई। युवक अपने परिवार के साथ गंगा स्नान करने आया था। परिजनो के अनुसार स्नान के दौरान मगरमच्छ ने युवक के चेहरे पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे अनुपशहर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव रामगढ़ी निवासी अनुज 19 वर्ष पुत्र प्रुक्छे बुधवार को अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों के साथ अवंतिका देवी गंगा घाट पर स्नान करने आया था। परिवार के सभी सदस्य गंगा स्नान करने के बाद बाहर निकल आए थे, लेकिन अनुज दोबारा स्नान करने गंगा में चला गया। इसी दौरान मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया।

चौकी में महिला से बर्बरता, 3 दिन तक जूतों-डंडों से पीटा, चोरी के शक में पुलिस लाई थी

कानपुर. चोरी के शक में पृछताछ के नाम पर एक महिला से फजलगंज क्षेत्र की गुमटी नंबर पांच चौकी में बर्बरता की गई। आरोप है कि बगैर रिपोर्ट दर्ज किए उसे तीन दिन चौकी में रखा गया और जूते-डंडों से पीटा गया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उनसे मिलने तक नहीं दिया। बुधवार को अधिवक्ता के साथ चौकी पहुंचे परिजनों ने हंगामा किया तो अधिकारियों ने परिजनों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने महिला को बिना मेडिकल कराए ही घर भेज दिया, जबकि उसके हाथ में पिटाई के निशान हैं और सूजन भी आ गई है। हालांकि, पुलिस ने मारपीट के आरोपों को गतत बताया है। राजपुरम निवासी महिला छाया सिंसोदिया ने बताया कि पति की मौत के बाद वह घरों में चौका-बर्तन करके परिवार का पालन-पोषण करती है। वह पिछले दो महीने से बंबा रोड स्थित नानक मसाले वाले के घर में काम कर रही थी। महिला का आरोप है कि तीन दिन पहले गुमटी नंबर पांच चौकी प्रभारी सचिन सागर पुलिसकर्मियों के साथ उसके घर पहुंचे और चोरी के शक में उसे चौकी ले गए। उसे बताया गया कि जिस घर में काम करती हो, वहां से चेन-अंगुठी चोरी हुई है। उसे तीन दिन तक चौकी में बैठाकर रखा गया और जूते व डंडों से पीटा गया।

अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या, भाजपा नेता भी घायल, प्रयागराज में सनसनीखेज वारदात

प्रयागराज. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से सनसनीखेज मर्डर की खबर सामने आ रही है। यहां कलंगंज थानाक्षेत्र के सेलरी इलाके में एक अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या की दी गई। वहीं चापड़ से हमला कर भाजपा विधि प्रकोष्ठ काशी प्रांत के पूर्व संयोजक व अपर शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र मिश्र घायल किया गया है। गोली मारने का आरोप देवेंद्र मिश्रा पर लगा है। घटना को लेकर बड़ी संख्या में वकील जुट गए। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। दिनदहाड़ हुई इस मर्डर के बाद लोगों में दहशत फैल गई। बड़ी संख्या में वकील जुट गए हैं। मृतक सतीश श्रीवास्तव के के शव को स्वरूपरानी अस्पताल के ट्रामा सेंटर में रखकर अधिवक्ता और परिजन हंगामा कर रहे हैं। इसलिए इमरजेंसी में मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सलौरी के काटजू बाग कॉलोनी में अधिवक्ता और भाजपा विधि प्रकोष्ठ काशी प्रांत के पूर्व संयोजक देवेंद्र नाथ मिश्रा तथा जिला न्यायालय के वकील सतीश चंद्र श्रीवास्तव का आमने-सामने घर है। मिल रही जानकारी के मुताबिक दोनों के बीच जमीन का विवाद काफी दिन से चल रहा है। पुलिस देवेंद्र पर चापड़ से हमला हुआ है, इसके बाद पिटल से सतीश के पेट में गोली मार दी गई।

वयस्क संतान भी माता-पिता से गुजारा भत्ता पाने की हकदार

सुलतानपुर. यूपी के सुलतानपुर फैमिली कोर्ट की न्यायाधीश निशा सिंह ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि वयस्क संतान भी माता-पिता से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। अदालत ने पिता की इस आपत्ति को खारिज कर दिया कि वयस्क होने के बाद पुत्र भरण-पोषण की मांग नहीं कर सकता। हालांकि, गुजारा भत्ता पाने के लिए पुत्र को न्यायालय में यह साबित करना होगा कि वह कानून में निर्धारित आधारों पर अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है।

अधिवक्ता प्रदीप सिंह के मुताबिक, मामला अमेठी जिले के



मुसाफिरखाना निवासी नसरीन और मुंशीगंज निवासी जैनुल हक के परिवार से जुड़ा है। दोनों के बीच पारिवारिक विवाद के बाद वर्ष 2006 में मुकदमा हुआ था। बाद में दोनों ने अलग-अलग विवाह कर अपना घर बसा लिया। उनके वयस्क पुत्र अमन रजा ने वर्ष

2025 में पिता से भरण-पोषण पाने के लिए परिवार न्यायालय में याचिका दाखिल की।

पिता जैनुल हक ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वर्ष 2006 के पारिवारिक मुकदमे में हुए समझौते के तहत पुत्र को एक साल मां के साथ रखने के बाद पिता के संरक्षण में सौंपने की बात तय हुई थी। समझौते में पुत्र के लिए पिता से भरण-पोषण की मांग नहीं करने का भी उल्लेख था। पिता ने यह भी दलील दी कि वह पहले पुत्र के खर्च का भुगतान करते रहे हैं और अब पुत्र शिक्षित होने के साथ ऑनलाइन शॉपिंग भरने की दुकान चलाता है। दोनों पक्षों की दलीलें

क्या कहता है कानून?

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 में पत्नी माता-पिता और संतानों को भरण पोषण का अधिकार देती है। यह व्यवस्था पुरानी सीआरपीसी की धारा 125 का नया रूप है। कानून में दो स्थितियां हैं। पहला, नाबालिग संतान, चाहे वैध हो या अवैध, अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है तो पिता को खर्च देना होगा। दूसरा महत्वपूर्ण प्रावधान है कि यदि वयस्क संतान, जो विवाहित पुत्री नहीं है, शारीरिक या मानसिक असामान्यता, चोट या अक्षमता के कारण कमाई करने में असमर्थ है, तो उसे पिता से भरण-पोषण पाने का पूरा अधिकार है। नए कानून में अवयस्क शब्द हटा दिया गया है। अब वयस्क बेरोजगार या पढ़ रहे छात्र भी भरण पोषण के हकदार हैं। पीड़ित संतान की मांग पर कोर्ट भरण-पोषण का आदेश दे सकता है।

सुनने के बाद अदालत ने पिता की आपत्ति खारिज कर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि

याचिका स्वीकार होने का अर्थ भरण-पोषण मंजूर होना नहीं है। इसके लिए पुत्र को अपनी अक्षमता साबित करनी होगी।

थोक महंगाई 5 महीने में सबसे ज्यादा

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर; फुटकर महंगाई में भी तेजी

नई दिल्ली. थोक महंगाई सितंबर में बढ़कर 11.39% पहुंच गई है। सरकार ने आज, 14 अक्टूबर को ये आंकड़े जारी किए। यह पांच महीने में सबसे ज्यादा है। अगस्त में यह 9.92% थी।

थोक महंगाई बढ़ने की वजह खाने-पीने की चीजें, फ्यूल, पावर और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स का महंगा होना है। सितंबर में रिटेल महंगाई भी बढ़कर 5.54% पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 4.82% थी। थोक महंगाई दर 11.39% होने का मतलब यह है कि जो सामान पिछले साल इस समय थोक बाजार में 100 रु. का मिल रहा था, वह आज लगभग 111.39 रु. का है। ये आंकड़े नए बेस इयर के मुताबिक हैं। सरकार ने 15 जून 2026 को WPI का नया बेस इयर 2022-23 लागू किया था। इसने पुरानी 2011-12 की सीरीज की जगह ली है।

थोक महंगाई दर से जुड़ी 6 बड़ी बातें...

- कुल थोक महंगाई में बड़ी बढ़त : सितंबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 11.39% पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 9.92% दर्ज की गई थी।
- खाने-पीने की चीजों में तेजी : खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05% के

- आंकड़े से उछलकर सितंबर में 8.66% दर्ज हुई।
- ईंधन व बिजली क्षेत्र में उछाल : पेट्रोल और पावर सेक्टर में महंगाई दर अगस्त के 22.93% से तेजी से बढ़कर 25.85% पर पहुंच गई।
- कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी : प्राइमरी आर्टिकल्स (कच्चा सामान) की महंगाई दर अगस्त के 7.76% से बढ़कर सितंबर में 8.67% हो गई।
- कारखानों के निर्मित सामान महंगे : मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर अगस्त के 8.37% से बढ़कर 9.76% हो गई।
- महंगाई बढ़ाने वाले प्रमुख सेक्टर: पेट्रोल-डीजल, खाने-पीने की वस्तुएं, कूड ऑयल, गैस, कोयला और टेक्सटाइल में सबसे ज्यादा तेजी रही।

डालकर उसे जिंदा जला दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बच्चे को बोझ मानता था। घटना मंगलवार को जिले के सुईगाम तालुका में हुई। आरोपी अशोक रावल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि रावल ने बच्चे को आग लगाने के बाद अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुईगाम के रावलवास में रहने वाले बाबूभाई लखमनभाई रावल ने अपने भतीजे और हत्यारे अशोक जीताभाई रावल के खिलाफ सुईगाम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी अशोक रावल की पत्नी झगड़े के बाद

पिता ने 2 साल के बेटे को पेट्रोल डालकर जलाया

- हत्या के सबूत मिलाने शव दफनाया
- अकेले परवरिश नहीं करना चाहता था, गिरफ्तार

वाव-थराद. गुजरात के वाव-थराद जिले में एक व्यक्ति ने अपने 2 साल के बेटे पर पेट्रोल

डालकर उसे जिंदा जला दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बच्चे को बोझ मानता था। घटना मंगलवार को जिले के सुईगाम तालुका में हुई। आरोपी अशोक रावल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि रावल ने बच्चे को आग लगाने के बाद अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सुईगाम के रावलवास में रहने वाले बाबूभाई लखमनभाई रावल ने अपने भतीजे और हत्यारे अशोक जीताभाई रावल के खिलाफ सुईगाम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी अशोक रावल की पत्नी झगड़े के बाद

पिछले 3 महीने से मायके में थी। अशोक बेटे के साथ अकेला रह रहा था। पत्नी के न होने से अशोक को बच्चे की देखभाल करना मुश्किल लगने लगा था। 13 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे उसने बेटे नवचन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। फिर वह उसे अस्पताल ले गया, लेकिन बच्चे की मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- CJP प्रोटेस्ट का CCTV सुरक्षित रखें

- प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस
- मेट्रो-इंटरनेट बंद करने पर सरकार माफी मांग चुकी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को CJP प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशन और इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले पर सुनवाई हुई।

कोर्ट ने कहा- हम 10 अक्टूबर

को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देना होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने के फैसले पर भी सरकार को नोटिस दिया है।

कोर्ट ने 10 अक्टूबर को CJP प्रदर्शन पर कहा कि उस दिन के सभी CCTV फुटेज संभालकर रखे जाएं। इससे पहले केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में इंटरनेट बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी। गृह सचिव गोविंद मोहन ने कोर्ट को दिए हलफनामे में कहा कि कानून-



व्यवस्था बनाए रखने और अफवाह रोकने के लिए यह कदम उठाना पड़ा।

विपक्ष और प्रदर्शनकारियों की तरफ से कोर्ट में गोपाल

शंकरनारायणन, कपिल सिब्बल और मेनका गुरुस्वामी ने दलीलें रखीं। वहीं, सरकार का पक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और गौरव भाटिया रख रहे हैं।

कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और केंद्र के एक्शन पर टिप्पणी की

CJA सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागवी की बेंच ने प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और केंद्र के एक्शन पर से जुड़े 9 अलग-अलग मामलों पर सुनवाई की।

प्रदर्शनकारियों पर: सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनों के दौरान हुई पुलिस

कार्रवाई से जुड़े सभी मामलों में नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस और एजेंसियों को आदेश दिया है कि वे प्रदर्शन से जुड़ी सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें।

महिला पत्रकारों के साथ हिंसा पर: सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह महिला पत्रकारों के साथ पुलिस मारपीट के आरोपों की जांच के लिए एक समिति बनाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने एक महिला पत्रकार की गिरफ्तारी पर रोक लगाने का सीधा निर्देश दिया है।

प्रदर्शनस्थल पर: जंतर-मंतर को प्रदर्शनस्थल की सूची से हटाने

(डी-नोटिफाई करने) के मामले में कोर्ट ने केंद्र को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि यह फैसला अदालत की किसी पुरानी मौखिक टिप्पणी के कारण लिया गया या इसके पीछे सरकार का कोई स्वतंत्र आकलन है।

केंद्र के एक्शन पर: कोर्ट ने प्रदर्शनों पर हुई कार्रवाई और मतदाता सूची से नाम काटे जाने (वोटर डिलीशन) के मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इन सभी मामलों में अपना जवाबी हलफनामा (काउंटर-एफिडेविट) दायर करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को फटकारा

- CJA बोले- कोई भी हमें धमका नहीं सकता, नोटिस भी जारी



नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के दौरान गड़बड़ी के आरोप में शीर्ष अदालत तक मार्च किए जाने को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित अन्य नेताओं को नोटिस जारी किया है। इस दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ऐसा नहीं है कि वह जमीनी हकीकत से बेखबर हैं। उन्होंने कहा, रकोई भी न्यायपालिका को डरा-धमका नहीं सकता।

CJA सूर्य कांत ने कहा, "हम कोई ऊंचे महलों में नहीं बैठे हैं। हमें पता है कि वे बाहर क्या बयान देते हैं और अदालत में क्या कहते हैं। हमें सब कुछ पता है।" चीफ जस्टिस ने राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से कहा, रनोटिस जारी करने का मतलब यह नहीं है कि हम किसी चीज की निंदा कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले एक आपत्ति है। हम

अगली सुनवाई की तारीख पर याचिकाकर्ताओं में से एक से उनके बताव के बारे में पूछना चाहेंगे। आपको बता दें कि राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं ने 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा चलाई जा रही SIAR की प्रक्रिया को चुनौती देते हुए अपनी याचिका वहां सीपी। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

राहुल सहित अखिलेश को भी नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं की उस याचिका पर दिया गया है, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट के विशेष संचन पुनरीक्षण (SIR) में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए गए हैं।

मारा गया गौतस्कर शाहिद

- नूंह में एनकाउंटर!
- थार में भर ले जा रहा था गोवंश

नूंह. नूंह पुलिस ने गौतस्कर शाहिद उर्फ आडवाणी को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। गुरुवार सुबह पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में वांटेड गौतस्कर को गोली लगी थी, जिसमें उसकी मौत हो गई। क्राइम ब्रांच नूंह को टीम और काले रंग की महिंद्रा थार गाड़ी में अवैध रूप से पशुओं की तस्करी कर रहे शातिर बदमाशों के बीच हुई आमने-सामने की मुठभेड़ में दो दर्जन से अधिक संतान मामलों में वांश्चित एक कुख्यात तस्कर ढेर हो



गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मारे गए बदमाश की पहचान शाहिद उर्फ आडवाणी निवासी खरखड़ी जिला नूंह के रूप में हुई है। इस पूरी घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद नजर आ रहा है।

क्राइम ब्रांच नूंह की टीम को इनपुट मिला था कि कुछ कुख्यात

पशु तस्कर काले रंग की एक थार गाड़ी के जरिए अवैध रूप से मवेशियों को ले जा रहे हैं। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बताया गए मार्ग पर नाकाबंदी कर दी और हर आने-जाने वाले सड़िंध घाहन पर मैनी नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ ही देर में जैसे ही सड़िंध काले रंग की थार तेज रफ्तार में वहां से गुजरी, पुलिसकर्मियों ने उन्हें रुकने का स्पष्ट इशारा किया, लेकिन बेखोफ तस्करों ने अंजाम देते हुए थार के अंदर से ही पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

ECINet की समीक्षा

विवादित घोषणा हटी, फॉर्म 7 में सीमा तय



हंगामे के बाद EC में क्या-क्या बदलाव?

नई दिल्ली. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया पर उपजे गतिरोध और विवाद, मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारी हंगामे और आयोग के अंदर आंतरिक मतभेदों की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने SIR, ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन और प्रशासनिक कामकाज से जुड़े कई बड़े बदलावों का ऐलान किया है। आयोग ने उन सम्बन्धों में ऑनलाइन वोटर-रजिस्ट्रेशन फॉर्म से एक विवादित घोषणा को हटा दिया है, जहां SIR पूरा हो चुका है। इसके साथ ही, आयोग ने वोटर डेटाबेस चलाने वाले सॉफ्टवेयर की भी समीक्षा के आदेश दिए हैं।

और SIR के दौरान प्रलेग किए गए वोटों की सुनवाई की प्रक्रिया को भी आसान बना दिया है।

ये बदलाव उन खबरों के सामने आने के बाद किए गए हैं जिनमें, पिछले महीने बताया गया था कि आयोग के तीन में से दो आयुक्तों ने SIR से जुड़े कुछ फैसलों पर आधिकारिक तौर पर आपत्ति जताई थी। आरोप है कि ये फैसले उनकी जानकारी के बिना लिए गए थे। दरअसल, 'इंडियन एक्सप्रेस' ने 23 सितंबर को रिपोर्ट दी थी कि चुनाव आयोग के दो आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार उन फैसलों और आदेशों पर आपत्ति जताई थी, जो उनके अनुसार उनकी जानकारी या मंजूरी के बिना जारी किए गए थे। रिपोर्टों के मुताबिक, ये आपत्तियां नए वोटर रजिस्ट्रेशन, नाम हटाने और बहाल करने और वोटर लिस्ट की कस्टडी और सुरक्षा से जुड़ी थीं। इन आपत्तियों को जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी दी गई थी।

पहले इनकार, अब संशोधन

उसी दिन जारी ECI के जवाब में कहा गया था कि आंतरिक चर्चाओं के दौरान असहमति होना फैसला लेने की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है और पिछले एक साल में पूरे आयोग के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं। आयोग ने वह कहा था कि ECINet समेत कई डिजिटल प्लेटफॉर्म कड़े डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत काम करते हैं, और अधिकारियों ने फॉर्म 6 की घोषणा को कानूनी बताया था। हालांकि, इसके तीन दिन बाद ही आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करके पहले बदलावों की घोषणा की और तब से अब तक कई बदलाव हो चुके हैं।

संक्षेप...

गोदामों में लगी आग

ठाणे, ठाणे मनपा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कुछ व्यावसायिक गोदामों में बुधस्फुटितवार को आग लग गई, जिससे संपत्ति को भारी नुकसान हुआ। नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

दीवा-शिल रोड पर स्थित खारडी गांव के अरशद कंपाउंड में पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे लगी आग में कोई घायल नहीं हुआ। ठाणे मनपा के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि आग में गोदामों में रखा फर्नीचर, प्लास्टिक का कबाड़ और निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जलकर नष्ट हो गई। उन्होंने बताया कि ठाणे दमकल विभाग के अधिकारियों और कर्मियों सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को घटनास्थल पर भेजा गया। तडवी ने कहा कि आग पर अपराह्न करीब दो बजकर 10 मिनट पर काबू पा लिया गया।

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने ठाणे मनपा के विभिन्न विकास कार्यों का किया निरीक्षण

ठाणे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने मनपा - क्रिस्टल हाउस इंडिया के ज़रिए खारेगांव (सफायर हॉस्पिटल के पास) में शुरू किए गए CBSE स्कूल का गुडविल विजिट किया। इस विजिट के दौरान उन्होंने न सिर्फ स्कूल और वहाँ के विकास कार्यों का निरीक्षण किया, बल्कि स्टूडेंट्स से बहुत प्यार से बातचीत भी की। इस समय, विरोधी पक्ष नेता शानू पठान, आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त 1 प्रशांत रोडे, अतिरिक्त आयुक्त 2 नितिन राठौड़, उपायुक्त डॉ. मिताली संचेती, पूर्व नगरसेवक रमाकांत मढवी, नगरसेवक मिलिंद पाटिल, नजीब मुल्ला, बाबाजी पाटिल, अर्चना पाटिल, गणेश कांबले वगैरह मौजूद थे। यह देश भर में 'क्रिस्टल हाउस' का चौथा स्कूल है। इससे पहले, उन्होंने बैंगलोर, रायपुर और पुणे में स्कूल शुरू किए



माजीवाड़ा में 'डॉग शेल्टर' का दौरा

इस दौरे के दौरान सांसद शिंदे ने ठाणे मनपा के ज़रिए माजीवाड़ा प्लाईओवर के नीचे बनाए गए 150 डॉग शेल्टर का दौरा किया। उन्होंने इस पहल के बारे में जाना, जो शहर में डॉग मैनेजमेंट के लिए जरूरी शेल्टर फैसिलिटीज देने, ज़रूरत के हिसाब से डॉग्स को सुरक्षित रखने और उनकी हेल्थ का ध्यान रखने के लिए जरूरी होगी। उन्होंने इस शेल्टर में फैसिलिटीज का डिटेल में इंसपेक्शन किया और संबंधित अधिकारियों से पूरा रिव्यू लेने के बाद जरूरी सुझाव दिए। इस मौके पर मुख्य वैद्यकीय अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, वेटेनरी ऑफिसर डॉ. क्षमा शिरोडकर, डॉ. संगीता धारगुडे आदि मौजूद थे।

थे, और अब यह खारेगांव स्कूल ठाणेकरों के लिए वरदान साबित हो रहा है। आयुक्त सौरभ राव ने बताया

कि वे आने वाले समय में मुंब्रा दिवा इलाके में भी ऐसे ही स्कूल शुरू करने का इरादा रखते हैं। उन्होंने

यह भी कहा कि मनपा ने इसके लिए सिर्फ जगह दी है। यह स्कूल प्री-प्राइमरी से 12वीं क्लास तक के स्टूडेंट्स को फ्री एजुकेशन देता है। इसमें फ्री यूनिफॉर्म, किताबें, एजुकेशनल मटीरियल, स्टूडेंट्स के लिए खाने का इंतजाम और स्कूल तक फ्री ट्रांसपोर्ट जैसी सभी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही, स्टूडेंट्स को हायर एजुकेशन, करियर गाइडेंस और एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड ट्रेनिंग देने पर भी जोर दिया जा रहा है सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने इस बेहतरीन पहल के लिए

स्टूडेंट्स के चेहरों पर खुशी देखकर सांसद अभिभूत हो गए

स्कूल के क्लासरूम का इंसपेक्शन करते हुए, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे योगा क्लास, म्यूजिक क्लास, कंप्यूटर रूम और लाइब्रेरी में गए और स्टूडेंट्स से बातचीत की। इन छोटे स्टूडेंट्स से बात करते हुए उनके चेहरों पर खुशी देखकर सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे कुछ पलों के लिए पूरी तरह से अभिभूत हो गए। टीचर्स से चर्चा करने के बाद, उन्होंने स्कूल में चल रही एजुकेशनल एक्टिविटीज के बारे में जानकारी ली।

सभी टीचर्स और मैनेजमेंट की दिल से तारीफ की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पाइपलाइन से कनेक्शन लेकर पानी की चोरी

- 1.21 लाख रुपये का नुकसान
- पानी चोर के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी, भिवंडी के नारपोली इलाके में महानगरपालिका की मुख्य जलवाहिनी में कथित रूप से अवैध कनेक्शन लेकर व्यावसायिक उपयोग किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पानी आपूर्ति विभाग की कार्रवाई के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नारपोली पुलिस थाने में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। मनपा के पानी आपूर्ति विभाग की प्रेस नोट के अनुसार, 5 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:45 बजे नारपोली स्थित 72 गैलन रोड, भंडारी कंपाउंड में जांच की गई। जांच के दौरान शशीशेखर जायसवाल के पास पानी कनेक्शन का कोई अधिकृत लाइसेंस नहीं मिला। पृष्ठताछ में उन्होंने करीब

पांच वर्ष पहले आधा इंच व्यास का एक नल कनेक्शन लेने की बात बताई।

विभाग के अनुसार, जायसवाल ने महानगरपालिका की पूर्व अनुमति के बिना मुख्य जलवाहिनी में छेद कर आधा इंच का अनधिकृत नल कनेक्शन लिया था और उसका इस्तेमाल भोजनालय के व्यावसायिक कार्य के लिए किया जा रहा था।

मनपा ने पानी चोरी की अवधि पांच वर्ष मानते हुए 60 हजार रुपये की राशि निर्धारित की। इसके अलावा खट्टा पावती 1,400 रुपये और अनामत राशि 200 रुपये सहित कुल 1 लाख 21 हजार 600 रुपये का नुकसान होने का उल्लेख मनपा द्वारा जारी प्रेस नोट में किया गया है। इस मामले में शशिसेखर जायसवाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(4), 326(क) और 303(2) के तहत नारपोली पुलिस थाने में मामला दर्ज करने की कार्रवाई की गई है।

भिवंडी मनपा में 9 स्वीकृत नगरसेवकों के नाम घोषित

- महापौर नारायण चौधरी ने विशेष महासभा में की घोषणा
- नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज

भिवंडी, भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका में स्वीकृत नगरसेवकों की नियुक्ति को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं पर 14 अक्टूबर 2026 को विराम लग गया। महानगरपालिका की विशेष महासभा में महापौर नारायण चौधरी ने 9 स्वीकृत नगरसेवकों के नामों की आधिकारिक घोषणा की। विभिन्न राजनीतिक दलों और आघाड़ियों की ओर से इन नामों को स्वीकृति दी गई है।

इस तरह कांग्रेस को तीन, भाजपा को दो तथा शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र

पवार), समाजवादी पार्टी और कोणाक विकास आघाड़ी को एक-एक स्वीकृत नगरसेवक का प्रतिनिधित्व मिला है।

नियुक्तियों से पहले ही शुरू हुआ राजनीतिक विवाद

स्वीकृत नगरसेवकों के नामों की घोषणा के साथ ही भिवंडी की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। खासतौर पर समाजवादी पार्टी के भीतर बगावत का मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है। आरोप है कि पार्टी के नगरसेवकों ने पार्टी विधि और आधिकारिक निर्देशों का पालन न करते हुए भरत जंगलानी के नाम की सिफारिश की। भरत जंगलानी को भाजपा विभाग के महेश चौधुले के करीबी के तौर पर बताया जा रहा है।

इस घटनाक्रम के बाद समाजवादी पार्टी ने अपने सभी छह

मौजूदा नगरसेवकों, जिनमें गटनेता आरिब याकूब शेख भी शामिल हैं, के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इससे भिवंडी में समाजवादी पार्टी की अंदरूनी राजनीति में भी उथल-पुथल मच गई है।

कांग्रेस में भी नाराजगी

स्वीकृत नगरसेवकों की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस के भीतर भी असंतोष सामने आया है। पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने नियुक्तियों की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की। इसी मुद्दे को लेकर मनपा मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन भी किए गए।

राजनीतिक दलों के भीतर विरोध और बगावत के बीच 9 स्वीकृत नगरसेवकों के नामों की

दलवार स्वीकृत नगरसेवकों की सूची

- कांग्रेस :
 - इब्रान मोहम्मद एच. अंसारी
 - अरफात ए. शेख
 - सलीम अहमद शेख
- भाजपा :
 - सुभाष टाकरे
 - रवी सावंत
- शिवसेना :
 - संजय काबुकर
- राकांपा शरद पवार :
- गिरीश म्हात्रे
- समाजवादी पार्टी :
 - भरत जंगलानी
- कोणाक विकास आघाड़ी :
 - मयूर विलास पाटील

आधिकारिक घोषणा हो चुकी है। अब इन नियुक्तियों के बाद महानगरपालिका की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है।

सूखा प्रभावित 2 लाख से अधिक किसान परिवारों के घर पहुंचेगी दिवाली की खुशियां

- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की पहल
- दिवाली से एक दिन पहले वितरित किए जाएंगे उपहार



आवश्यक सामग्री वितरित की जाएगी।

मंत्री सरनाईक ने 15 अक्टूबर 2026 को इस पहल की तैयारियों और वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने सामग्री की पैकिंग, वितरण व्यवस्था और ज़रूरतमंद परिवारों तक समय पर सामान पहुंचाने की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि दिवाली से एक

दिन पहले जिले के प्रत्येक सूखा प्रभावित किसान परिवार तक सम्मानपूर्वक यह सामग्री पहुंचाई जाए।

पिछले वर्ष भी की थी किसानों की मदद

मंत्री सरनाईक ने पिछले वर्ष धाराशिव के प्रभावित किसानों को 101 दुधारे गायें वितरित कर आर्थिक सहायता की थी। इस वर्ष

भी उन्होंने सीधे किसान परिवारों तक दिवाली की खुशियां पहुंचाने का निर्णय लिया है।

सरनाईक ने कहा कि संकट के समय किसानों के साथ खड़ा रहना ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा, "मैं जो कहता हूँ, वह करता हूँ। मेरा पहला कर्तव्य धाराशिव के किसानों के चेहरे पर खुशी लाना है। यह केवल मदद नहीं, बल्कि किसानों को यह भरोसा दिलाने का प्रयास है कि संकट की घड़ी में पूरा महाराष्ट्र उनके साथ खड़ा है।"

उन्होंने सभी शिवसेनियों और कार्यकर्ताओं को वितरण कार्य युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी ज़रूरतमंद किसान परिवार इस पहल से वंचित न रहे।

AIMIM पार्षद सहर शेख के पिता शिंदे गुट में शामिल



ठाणे महानगरपालिका के वार्ड संख्या 30 से निर्वाचित AIMIM की नगरसेविका सहर शेख के पिता युनुस शेख एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। महानगरपालिका चुनाव जीतने के बाद सहर शेख अपने एक भाषण की वजह से काफी चर्चा में आ गई थीं, इसमें उन्होंने विरोधियों को चिढ़ाते हुए 'कैसा हराया...' कहा था। यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। इसी सभा में सहर शेख ने कहा था कि आने वाले समय में उन्हें पूरे मुंब्रा को हरे रंग से रंगना है। उनके इस बयान की काफी आलोचना हुई थी। आलोचना करने वालों में महायुक्ति के साथ-साथ शिंदे सेना भी शामिल थी।

ऐसे में अब एकनाथ शिंदे की शिवसेना द्वारा सहर शेख के पिता को अपनी पार्टी में अहम पद दिए जाने से ठाणे के राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। युनुस शेख के शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के दौरान की तस्वीर भी सामने आई है। इसमें शिंदे सेना के पदाधिकारी उन्हें नियुक्ति पत्र देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

ट्रेलर से डीजल की चोरी

नवी मुंबई, एक ट्रेलर से 240 लीटर डीजल चोरी होने के मामले में तलोजा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। तलोजा एमआईडीसी में ए.एन.एम. कंपनी के पास आर.आर. रोडवेल के मालिकाना हक वाला एक ट्रेलर सड़क किनारे खड़ा था, जब ड्राइवर ट्रेलर के अंदर सो रहा था, उसी दौरान चोर ने डीजल की टैंक से 240 लीटर डीजल चुरा लिया।

अपहरण का प्रयास

नवी मुंबई, साढ़े तीन साल की बच्ची को खेलते समय 10 रुपये देकर उसका अपहरण करने की कोशिश करने वाले आरोपी के खिलाफ खदिश्वर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। साढ़े तीन वर्षीय कृतििका सनातन आश्रम के पास शिवनगर देवद में खेल रही थी, जब वह खेल रही थी, तभी आरोपी ने उसे 10 रुपये दिए और उसका अपहरण करने का प्रयास किया।

कल्याण में गरबा खेलने गई 16 वर्षीय नाबालिग लापता

- अपहरण का मामला दर्ज

कल्याण, कल्याण के योगीधाम स्थित मनपा मैदान में गरबा खेलने गई 16 वर्षीय नाबालिग लड़की सोमवार रात से लापता है। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका अपहरण किए जाने की आशंका जताते हुए कल्याण लोहमार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, सोना संजय खरवार (16) अपनी चचेरी बहन निधि मुन्ना खरवार (23) के साथ सोमवार रात योगीधाम स्थित मैदान

में गरबा खेलने गई थी। गरबा समाप्त होने के बाद दोनों शहाड रेलवे स्टेशन पहुंचीं। निधि रात करीब 11:15 बजे घर लौट आईं, लेकिन सोना उसके साथ नहीं थीं।

निधि ने परिजनों को बताया कि सोना ने कहा था कि घर देर से पहुंचने पर पिता नाराज होंगे, इसलिए वह अपने एक दोस्त के पास जा रही है। इसके बाद उसने रात करीब 10:45 बजे सीएसएमटी की ओर जाने वाली लोकल ट्रेन पकड़ी और सामान वाले डिब्बे में बैठकर चली गईं।

परिजनों ने सोना से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

इसके बाद शहाड रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की गई। परिवार ने सोना के मित्र अतुल ठाकुर को उसका मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी देकर लोकेशन पता करने को कहा। अतुल ने उसके बांद्रा इलाके में होने की जानकारी दी।

इसके बाद परिजन और रेलवे पुलिस बांद्रा पहुंचे, लेकिन वहां भी सोना नहीं मिली। बाद में उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। इसके बाद उसकी मां पुष्पा खरवार ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बेटी के अपहरण की आशंका जताते हुए कल्याण लोहमार्ग पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

एक्टर इमरान खान को भारत छोड़ने का नोटिस

- 28 अक्टूबर तक की मोहलत
- आरोप- भारतीय नागरिक नहीं
- ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुए

एक्टर इमरान खान को मुंबई पुलिस ने नोटिस जारी कर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया है। इमरान 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

इसके बाद मुंबई पुलिस ने इमरान खान को हिरासत में भी लिया था। वे 22-23 जुलाई को नीट पेपर लीक के विरोध में हुए कॉन्फ्रेंस जनता पार्टी के प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान भारतीय नहीं अमेरिकी



नागरिक हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इस मामले में उनके खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

इमरान खान का जन्म अमेरिका में हुआ था

इमरान का जन्म अमेरिका के विस्कॉन्सिन में हुआ था। जन्म से ही उनके पास अमेरिका की नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट है। वे कानूनी रूप से भारत के नागरिक नहीं हैं। भारत में रहने और काम करने के लिए वे ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (OCI) कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। भारत में विदेशी नागरिकों के प्रवेश, रहने और गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए इमिग्रेशन एंड फॉरिनर्स एक्ट, 2025 लागू है। इसके तहत सरकार विदेशी नागरिकों के भारत में रहने और उनकी गतिविधियों पर शर्तें लगा सकती है।

यदि कोई विदेशी नागरिक लागू नियमों या वीजा की शर्तों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

पुलिस ने ठाणे की पूर्व मेयर को पूछताछ के लिए बुलाया

ठाणे, पिछले महीने ठाणे में शिव सेना (यूबीटी) नेता प्रदीप पूर्णेकर की हत्या की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शहर की पूर्व मेयर मीनाक्षी शिंदे को पूछताछ के लिए बुलाया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि,

अधिकारी ने यह नहीं बताया कि महाराष्ट्र में सत्ताधारी शिव सेना की नेता मीनाक्षी शिंदे को पूछताछ के लिए कब बुलाया गया है। मंगलवार को ठाणे पुलिस की जांच टीम ने उनके पति राजेंद्र शिंदे से लगभग नौ घंटे तक पूछताछ की, जिसमें उन्हें गिरफ्तार आरोपियों के आमने-

सामने बिठाकर सवाल-जवाब किए गए।

शिंदे दंपति पर हत्या की साजिश का आरोप

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, राजेंद्र शिंदे ने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें और उनके परिवार को 29 सितंबर

को हुई हत्या से जोड़ा जा रहा है। शुरुआत से ही पूर्णेकर परिवार ने शिंदे दंपति पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। मीनाक्षी शिंदे हाल तक उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में संगठन से जुड़ी अहम जिम्मेदारियां संभाल रही थीं।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

Google Play YouTube Channel

Subscribe to our ULHAS VIKAS NEWS

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

सब पे नज़र, सबकी खबर Since 1985

www.ulhasvikas.com

Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

epaper.ulhasvikas.com